फॉलिक्युलर लिम्फोमा

फॉलिक्युलर लिम्फोमा का उपचार

परिचय

फॉलिक्युलर लिम्फोमा एक प्रकार का **धीमी गति से बढ़ने वाला नॉन-हॉजकिन लिम्फोमा** है। यह आमतौर पर लिम्फ नोड्स से शुरू होता है और कई वर्षों तक धीरे-धीरे बढ़ सकता है। कई मरीजों में शुरुआत में कोई लक्षण नहीं होते।

उपचार का निर्णय किन बातों पर निर्भर करता है?

- रोग की स्टेज
- लक्षणों की उपस्थिति (बुखार, वजन कम होना, रात में पसीना)
- ट्यूमर का आकार
- रोग की प्रगति की गति
- मरीज की उम्र और अन्य बीमारियाँ

1. वॉचफुल वेटिंग

- यदि रोग बहुत धीमा है और कोई लक्षण नहीं हैं
- तुरंत उपचार की आवश्यकता नहीं होती
- नियमित फॉलो-अप किया जाता है
- यह रणनीति कई मरीजों में वर्षों तक सुरक्षित रहती है।

2. रेडियोथेरेपी

- **स्टेज I या सीमित रोग** में उपयोगी
- प्रभावित लिम्फ नोड क्षेत्र पर दी जाती है
- कई मामलों में उपचारात्मक हो सकती है

3. इम्यूनोथेरेपी

सबसे महत्वपूर्ण दवा:

• रिटक्सिमैब

यह सीडी20 प्रोटीन को टारगेट करके कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करती है।

अकेले या कीमोथेरेपी के साथ दी जा सकती है।

4. कीमो-इम्यूनोथेरेपी

आम रेजीमेंस:

- आर-सी एच ओ पी
- आर-सीवीपी
- बेंडामुस्टीन + रिटक्सिमैब

लक्षण वाले या एडवांस स्टेज रोग में उपयोग

5. मेंटेनेंस थेरेपी

- रिटक्सिमैब हर 2–3 महीने
- 2 साल तक दिया जा सकता है
- रोग को नियंत्रित रखने में मदद करता है

6. टारगेटेड थेरेपी

कुछ नए विकल्प:

- लेनिलेडोमाइड

रिलेप्स या रिफ्रैक्टरी केस में उपयोग

7. स्टेम सेल ट्रांसप्लांट

- बार-बार लौटने वाले रोग में
- युवा और फिट मरीजों में विकल्प

8. सी ए आर-टी सेल थेरेपी

- अत्यधिक रिफ्रैक्टरी मामलों में
- उन्नत और महंगा उपचार

रोग का पूर्वानुमान

- यह रोग पूरी तरह ठीक कम होता है, लेकिन
- लंबे समय तक नियंत्रित किया जा सकता है
- कई मरीज सामान्य जीवन जीते हैं

निष्कर्ष

फॉलिक्युलर लिम्फोमा का उपचार मरीज के अनुसार व्यक्तिगत होता है। कई बार तुरंत इलाज की जरूरत नहीं होती, जबकि कुछ मामलों में कीमो-इम्यूनोथेरेपी आवश्यक होती है।

नाम डॉ प्रियेश दुबे

पदनाम एपी मेडिकल ऑन्कोलॉजी

ओपीडी स्थल आरडीजीएमसी उज्जैन

ओपीडी का समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक

9109251203